अनाथालयों में रह रहे बच्चों के भी बनेंगे आयुष्मान कार्ड, मिलेगा मुफ्त इलाज़

चर्चा में क्यों?

18 जुलाई, 2022 को उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य के अनाथालयों में रहने वाले बेसहारा बच्चों को भी 'आयुष्मान योजना' में मुफ्त इलाज़ की सुविधा मिलेगी। सरकार ने ऐसे बच्चों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस संबंध में योजना को संचालित करने हेतु राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिये गए हैं।
- 'आयुष्मान योजना' के तहत नवजात से लेकर चार साल तक के दस हज़ार से अधिक बीमार नौनिहालों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध की गई। उन्हें रोगमुक्त रखने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक दस हज़ार से अधिक बीमार बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसमें 1,397 बालक एवं 8,700 बालिकाएँ शामिल हैं। इस पर सरकार ने 38 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है।
- डॉ. रावत ने बताया कि 'आयुष्मान योजना' का बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी लाभ उठा रहे हैं। योजना में 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज़ की सुविधा है। राज्य में अब तक 32 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। लाभार्थियों के विभिन्न रोगों के उपचार पर 868 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हैं।
- प्रदेश में आयुष्मान कार्ड बनाने से वंचित रह गए लोगों के कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के दौरान निःशुल्क उपचार उपलब्ध हो सके।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ayushman-card-for-children-living-in-orphanages